

10-9-18 पञ्जाबली पेशा इंदी। पब्लिकरान वकील अयास्थी रली
पञ्जाबली का अवलोकन किया गया जो दि० 29-8-16
से आज तक भी संशोधित शीर्षक पेश नहीं किया
एवं लक्ष्मी देवु गलवाना सम्मन लगभग 20 वर्ष
अपारित होने के उपरान्त भी पेश नहीं किया है
इससे आदि है कि वारी आपने वार को उपागे
को बलवाना नहीं गारत है अतः वारी का वार
09 R-5 में खासि किया गया। पञ्जाबली कैसल
शुमार होकर इन्फेन्स से बन्यो। अग्रश सुले
न्यायालय में सुनाया गया।

उप खण्ड अधिकारी
साँभर लेक